सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चैकोस्लोवाकिया की सहायता से कृषि ट्रैक्टर बनाने की योजना के बारे में अब तक कितनी प्रगति हुई है;

(ख) क्या ट्रैक्टरों की मांग को ध्यान में रखते हुए सरकार का इस बारे में तत्काल कोई निर्णय करने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो उक्त योजना को कब तक पूरा किया जा सकेगा ?

उद्योग मन्त्री (श्री दा० संजीवैया) : (क) से (ग). चैकोस्लोवाकिया के मेसर्स मोटोकोव द्वारा तैयार की जा रही परियोजना रिपोर्ट के 1966 के अन्त तक तैयार हो जाने की आशा है । प्रस्तावित परियोजना में जिस किस्म के ट्रैक्टरों का निर्माण करने का प्रस्ताव है उनसे किसानों को परिचित कराने तथा इस प्रकार के ट्रैक्टरों का अलग-अलग सारे पुर्जों सहित सीमित संख्या में आयात करने के प्रश्न की जांच की जा रही है ।

मौजूदा कारखानों द्वारा कृषि ट्रैक्टरों का स्थानीय उत्पादन भी बढ़ा है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :—

वर्ष	उत्पादन संख्या
1963 .	1610
1964 .	3172
1965 . . .	6318

हाथी दांत का कोटा

1088. **श्री प० ला० बाकपाल** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान के उन व्यापारियों के, जिन्हें, 1965 के दौरान हाथी दांत के कोटे दिये गये थे, विवरण क्या हैं;

(ख) क्या यह सच है कि जिन व्यापारियों को हाथी दांत के कोटे दिये गये थे उन्होंने अपने-अपने कोटे प्राप्त कर लिए हैं; और

(ग) प्रत्येक व्यापारी को कितनी मात्रा में कितने मूल्य के हाथी दांत दिये गये थे ?

वाणिज्य मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री शफी कुरेशी) : (क) और (ग). एक एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है **[पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल० टी०—5600/66]**

(ख) जी, हां ।

Import Entitlement

1089. Shri M. Malaichami: Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) whether the import entitlement offered during 1962-63 and 1963-64 did not result in proportionate increase in the export trade; and

(b) if so, what further steps Government have taken or propose to take to see that the export promotion is effected in proportion to the import licences issued?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): (a) This has resulted in substantial increase in exports of our manufactured goods which are given such assistance. The value of import licences issued under Export Promotion Schemes was Rs. 38·69 crores in 1962-63 and Rs. 53·39 crores in 1963-64 while the total value of exports during these years was Rs. 713·61 and 793·25 crores respectively.

This upward trend of total exports has continued during the next year (1964-65) with total exports at Rs. 814·56 crores and value of lincences issued under the Export Promotion Schemes being Rs. 56·12 crores.

(b) The question does not arise.